हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

WWW.JANVEENA.COM

जनवीणा

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 12 | अंक : 40 | लखनऊ, 28 सितम्बर, 2023 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

12 जिलों में सामुदायिक केंद्रों का कायाकल्प होगा: योगी

लखनऊ। यूपी में श्रावस्ती, बलिया, बलरामपुर, उन्नाव, कौशाम्बी, मुजफ्फरनगर, हापुड़, चित्रकूट, महोबा, लखनऊ, बदायूं व सुल्तानपुर के कुल 13 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का अपडेशन किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रदेश के कुल 12 जिलों के 13 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का कायाकल्प किया जाएगा। जिन जिलों में 1-1 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के कायाकल्प की प्रक्रिया जारी है उनमें श्रावस्ती, बलिया, बलरामपुर, उन्नाव, कौशाम्बी, मुजफ्फरनगर, चित्रकूट, महोबा, लखनऊ, बदायूं व सुल्तानपुर शामिल हैं। वहीं, हापुड़ जिले में दो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के अपग्रेडेशन प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जाएगा। इन सभी 13 सामुदायिक स्वाथ्य केंद्रों के कायाकल्प के लिए योगी सरकार 8.58 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च

करने जा रही है जिसे शासन से वित्तीय स्वीकृति के बाद जारी कर दिया गया है।

अपग्रेडेशन से बढ़ेगी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की क्षमता

प्रदेश के जिन 12 जिलों के 13 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अपग्रेडेशन प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जा रहा है उनमें हापुड़ के बहादुरगढ़ व गोहरा आलमगीर का नाम प्रमुख है। वहीं, श्रावस्ती के लक्ष्मणपुर बाजार, बलिया के सहतवार, उन्नाव के ऊंचगांव, कौशाम्बी के करारी, मुजफ्फरनगर के सिसौली, चित्रकूट के रैपुरा, महोबा के श्री नगर, लखनऊ के बेहटा, बदायूं के इस्लामनगर व सुल्तानपुर के डिहदुग्धुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम भी उन सामुदायिक स्वास्थ केंद्रों में शामिल है जिन्हें अपग्रेड करने की प्रक्रिया जारी है। निश्चित तौर पर इस धनराशि आवंटन की प्रक्रिया को वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद इन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के विकास में तेजी आएगी और यहां इंस्टॉल किए जाने वाले मेडिकल इक्विप्मेंट्स की खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रक्रिया में क्रय होने वाले सभी इक्विप्मेंट्स की गुणवत्ता, क्रय प्रक्रिया का निर्धारण व अनुपालन क्रयाधिकारी के निरीक्षण में किया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया को प्रदेश शासन के नियम व शर्तों के आधीन पूरा किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आवंटित धन का उपयोग केवल उसी मद में हो जिस मद में उपयोग किया जाना निर्धारित किया गया था।

प्रदेश के कई स्वास्थ्य व चिकित्सा संस्थानों में जारी है अपग्रेडेशन का कार्य

प्रदेश के कई स्वास्थ्य व चिकित्सा संस्थानों के मॉडर्नाइजेशन का प्रयास योगी सरकार द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में, लखनऊ स्थित वीरांगना अवंतीबाई महिला चिकित्सालय में 2 बेबी ट्रांसपोर्टेशन इनक्यूबेटर की खरीद व इंस्टॉलेशन के मद में 4 लाख रुपए, 3 एक्टोक्लेव मशीन की खरीद व इंस्टॉलेशन के मद में 60 हजार व एमएनसीयू में 6 वॉर्मर मशीनों की खरीद व इंस्टॉलेशन के लिए 9.40 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है।

इसी तरह, बाराबंकी के सिरौली गौसपुर चिकित्सालय में एक्स-रे मशीन प्रिंटर उपलब्ध कराने व कन्नौज के पैरा मेडिकल इंस्टीट्यूट में जारी निर्माण कार्य के लिए 8 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की गई है। इसके अतिरिक्त, गाजियाबाद के लोनी नगर पालिका परिषद में निर्माणाधीन 50 बेड्स की क्षमता वाले अस्पताल के लिए प्रथम किस्त के तौर पर 3.08 करोड़ रुपए की धनराशि भी वित्तीय स्वीकृति के बाद जारी कर दी गई है।

माफिया अतीक के भाई अशरफ का साला सद्दाम दिल्ली से गिरफ्तार

लखनऊ। अब्दुल समद उर्फ सद्दाम को बरेली एसटीएफ की टीम ने दबोचा है। वह दिल्ली के डीडीए फ्लैट में अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए आया था। वह उमेश पाल की हत्या के बाद से ही गायब था।

माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ के साले अब्दुल समद उर्फ सद्दाम को एसटीएफ की बरेली यूनिट से बुधवार देर रात दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। प्रयागराज में राजूपाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की हत्या के बाद सद्दाम लगातार जांच एजेंसियों को चकमा दे रहा था। पुख्ता सूचना पर उसे 27/28 सितंबर की रात दो बजे मालवीय नगर के डीडीए के फ्लैट से दबोच लिया गया। उसके पास दो मोबाइल और एक हुंडई वरना कार बरामद की गयी है।

एसटीएफ के मुताबिक प्रयागराज के पूरामुफ्ती निवासी सद्दाम के खिलाफ प्रयागराज में चार, जबकि बरेली में दो मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में उसने बताया कि वह गिरफ्तारी से बचने के लिए दिल्ली, कर्नाटक और मुंबई में ठिकाने बदलकर पनाह ले रहा था। दिल्ली के डीडीए के फ्लैट में वह अपनी प्रेमिका अनम से मिलने आया था। उसने बताया कि अशरफ के बरेली जेल जाने के बाद वह भी थाना बारादरी स्थित खुशबू इंक्लेव में रहने लगा। मैं जेलकर्मियों की मदद से अशरफ को खाने-पीने एवं अन्य वस्तुएं पहुंचाता था।

इस दौरान अशरफ के साथ मिलकर जमीनों का कारोबार भी कर रहा था। अशरफ के दोस्त और परिचित जो पैसा देते थे, वह मेरे पास रहता था। बरेली में लल्ला गद्दी, नाजिश, सैयद साहब, फुरकान आदि के साथ मिलकर अशरफ विवादित जमीनों में हस्तक्षेप करता था। इससे उनको करोड़ों रुपये की आमदनी होती थी।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर अपमानजनक टिप्पणी करने पर पूर्व एमएलसी पर केस दर्ज

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में पूर्व एमएलसी दीपक सिंह पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं, केंद्रीय मंत्री का पुतला फूंकने के मामले में दो संविदा कर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया है। मुंशीगंज के संजय गांधी अस्पताल के मामले को लेकर सीएमओ कार्यालय पर सत्याग्रह के दौरान केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस के पूर्व एमएलसी दीपक सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीएमओ कार्यालय पर अमेठी बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले चल रहे सत्याग्रह के दौरान मंगलवार को एक निजी चैनल से बात करते हुए पूर्व एमएलसी दीपक सिंह का बयान वायरल हो रहा है। इसको

लेकर राजनीतिक गहमागहमी का दौर चल रहा है। भाजपा के जिला महामंत्री केशव सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि पूर्व एमएलसी ने बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री पर अपमानजनक टिप्पणी की है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। अस्पताल मामले को लेकर दो दिन तक चले सत्याग्रह को बुधवार की शाम को मशाल जुलूस के साथ एक दिन के लिए स्थगित करने की बात कही गई है। संजय गांधी अस्पताल के मामले को लेकर मंगलवार को मुसाफिरखाना के पूरे पहलवान गांव में विरोध स्वरूप प्रदर्शन किया गया था। इसमें अमेठी सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का पुतला फूंका गया था। स्थानीय कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

जिसमें नामजद आरोपी बनाए गए दस लोगों में शामिल मनोज मिश्रा और अनुज तिवारी स्थानीय विद्युत उपखंड कार्यालय में संविदा कर्मी के रूप में कार्य कर रहे थे। प्रदर्शन में संलिप्तता पर ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट इंडिया लिमिटेड के प्रबंधक परियोजना एवं नोडल अधिकारी अजय दूबे ने बुधवार को कार्यालय आदेश जारी कर मनोज मिश्रा और अनुज तिवारी की तत्काल प्रभाव से सेवा समाप्त कर दी है। उप मंडलीय अभियंता ने दोनों की सेवा समाप्त किये जाने की पुष्टि की है।

सम्पादकीय

कनाडा को खरी-खरी

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र में शामिल होने गये विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इस दौरे में जहां राजनय की गरिमा को बनाये रखा, वहीं मौका मिलने पर प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से कनाडा की भारत विरोधी नीति को बेनकाब करने का सार्थक प्रयास किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में कनाडा का नाम न लेकर निज्जर प्रकरण से उपजे विवाद में परोक्ष रूप से अपनी बात कही। लेकिन न्यूयार्क में भारत में अमेरिकी राजदूत रहे केनेथ जस्टर के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में एस.जयशंकर ने वैश्विक जगत को कनाडा के आरोपों के बाबत बताया कि ऐसा काम करना हमारी सरकार की नीति नहीं है। साथ ही साफ कह दिया कि कनाडा अलगाववादियों के लिये उर्वरा भूमि बना हुआ है। उन्होंने बताया कि हमने कनाडा से स्पष्ट कहा कि अगर आपके पास अपने आरोपों से जुड़ी कोई खास जानकारी है तो हमें उपलब्ध कराएं। इस अवसर का उपयोग करते हुए जयशंकर ने जस्टिन ट्रूडो के मंसूबों को बेनकाब करते हुए कहा कि कनाडा में पृथकतावादी तत्वों से जुड़े संगठित अपराधों के तमाम मामले प्रकाश में आए हैं। जिन पर कई बार कार्रवाई के बाबत कनाडा सरकार को कहा गया है। इस बात के पुख्ता प्रमाण उपलब्ध कराये गये थे कि कनाडा की धरती से तमाम संगठित अपराध संचालित किये जा रहे हैं। जाहिर तौर पर जयशंकर ने दुनिया को यह अहसास कराने का प्रयास किया कि कनाडा सरकार की नाक के नीचे सुनियोजित ढंग से अलगाववादी कार्रवाइयां चल रही हैं। ऐसे तत्वों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्होंने भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला तक किया है। इतना ही नहीं भारतीय राजनयिकों को धमकियां दी गईं। विदेश मंत्री ने कनाडा के प्रधानमंत्री के बयानों के आलोक में कहा कि लोकतंत्र की दुहाई देकर भारत की राजनीति में हस्तक्षेप किया जा रहा है। सही मायनों में भारत-कनाडा के रिश्तों में आई कड़वाहट की हकीकत बताने में एस.जयशंकर सफल रहे। वहीं, यूएन सम्मेलन में भी विदेश मंत्री ने कहा कि वे दिन चले गये हैं जब दुनिया के कुछ बड़े राष्ट्र अपनी सुविधा के लिये एजेंडा तय करते थे और फिर शेष दुनिया को उस पर चलने के लिये बाध्य करते थे। दरअसल, ट्रूडो के आरोपों के बाद कनाडा भी अलग-थलग पड़ता नजर आ रहा है। दरअसल, दुनिया की दूसरी बड़ी शक्तियों को भी उभरते भारत के महत्व का अहसास है। जैसे कनाडा अमेरिका का निकट का सहयोगी है, उस हिसाब से अमेरिका भी उसके आरोपों के समर्थन में खुलकर सामने नहीं आया। दरअसल, जिस खुफिया साझेदारी के संगठन फाइव आइज की सूचना को ट्रूडो आधार बना रहे थे, उस इंटेलिजेंस अलायंस के सहयोगी अमेरिका, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन व न्यूजीलैंड का मुखर समर्थन कनाडा को नहीं मिल पाया। यह भारत की मौजूदा वैश्विक छवि के चलते ही हुआ। यह भी कहा जाता रहा है कि अमेरिका की खुफिया एजेंसी एफबीआई ने भी इस बाबत जानकारी साझा की थी। बहुत संभव था कि यदि जानकारी पुख्ता होती तो अमेरिका के तेवर तीखे होते। इस बाबत पूछे जाने पर एसघ् जयशंकर ने दो-टूक जवाब दिया कि हम न फाइव आइज का हिस्सा हैं और न ही एफबीआई का, जो इस बाबत जवाब दे सकें। विदेश मंत्री ने कहा कि निज्जर प्रकरण में कनाडा की तरफसे कोई तथ्य उपलब्ध नहीं कराए गये हैं। दरअसल, इससे पहले राजनयिक क्षेत्रों में कहा जा रहा था कि विदेश मंत्री को संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से कनाडा को संदेश देना चाहिए था। लेकिन हकीकत यह है कि तीसरे विश्व का नेतृत्व करने वाला भारत हमेशा से ही इस मंच का उपयोग वैश्विक मुद्दों को उठाने के लिये करता रहा है। जयशंकर ने महासभा के जरिये साफकह दिया कि दुनिया की बड़ी राजनीतिक ताकतें हिंसा, उग्रवाद व आतंकवाद पर प्रतिक्रिया अपनी राजनीतिक सुविधा से तय करती हैं। वैश्विक मंच से विदेश मंत्री ने हाल की भारत की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि नई दिल्ली के जी-20 सम्मेलन से हासिल की गूंज आने वाले दशकों में सुनाई देगी। हम विश्व मित्र के रूप में उभरे हैं।

सांसदी से विधायकी की भाजपायी उलटबांसी

भारतीय जनता पार्टी प्रयोगों के नये दौर से गुजर रही है। दुनिया में नेतृत्व व जनप्रतिनिधित्व का विकास नीचे से ऊपर तरफहोता है। कतिपय अपवादों को छोड़कर अपने कार्यकर्ताओं को ग्राम पंचायत या पार्षद स्तर से विधायकी और फिर वहां से सासंदी का रास्ता दिखलाया जाता है लेकिन भाजपा में उल्टी धारा बह रही है। इसी नवम्बर में जिन राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं उनमें मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ भी हैं। दोनों राज्यों के अब तक जितने उम्मीदवारों की घोषणा हो चुकी है उनमें अनेक ऐसे हैं जो साफतौर पर भाजपायी प्रयोग के गिनीपिग बनाये जा रहे हैं। ये सांसद हैं लेकिन उन्हें विभिन्न विधानसभाई सीटों पर लड़ाया जा रहा है। कुछ तो मंत्री भी हैं। संसद सदस्यों को राज्यों में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिये उतारना साबित करता है कि भाजपा के पास मुद्दों के साथ-साथ चेहरों की भी कमी है। हालांकि कई राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इसके पीछे पार्टी के सर्वेसर्वा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके प्रमुख सहयोगी व केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सुनियोजित चाल हो सकती है। देखना होगा कि यह कदम आत्मघाती साबित होता है या सफलता दिलाएगा।

छत्तीसगढ़ की पहले बात कर लें! यहां भाजपा बेहद कमजोर स्थिति में है जहां 90 सीटों वाले सदन में उसके केवल 14 सदस्य हैं। यहां जिन प्रत्याशियों के नामों का ऐलान हो गया है, उनमें दुर्ग से लोकसभा में पहुंचे विजय बघेल को उनके चाचा व प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ पाटन क्षेत्र से उतारा गया है। यह सीट दुर्ग की 8 विधानसभा सीटों में से एक है। राज्यसभा के सदस्य रामविचार नेताम सरगुजा क्षेत्र की रामानुजगंज सीट से चुनाव लड़ेंगे। रायपुर (शहर) सीट पर वर्तमान विधायक श्रीचंद सुंदरानी के साथ ही राजधानी के पूर्व महापौर सुनील सोनी का नाम सबसे आगे चल रहा है जो इस वक्त रायपुर के सांसद हैं। बिलासपुर सीट का लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने वाले अरूण साव भाजपा के अध्यक्ष हैं जिनके बारे में कहा जा रहा है कि उन्हें बिलासपुर विधानसभा सीट से लड़ाया जा सकता है ताकि जीत की स्थिति में (जो वर्तमान परिदृश्य में दूर की कौड़ी है) उनका ओबीसी चेहरा काम आ सके और भूपेश बघेल का यह चुनाव प्रचार के दौरान जवाबी नाम भी हो। छत्तीसगढ़ की पिछले मुख्यमंत्रियों के समय से यह परम्परा बनी है कि जो पार्टी अध्यक्ष बहुमत दिला सके वही सीएम बन सकता है। 2003 में डॉ. रमन सिंह को सीएम पद इसलिये मिला था क्योंकि उन्हीं के नेतृत्व में भाजपा जीती थी। ऐसे ही, भूपेश बघेल की अध्यक्षता में कांग्रेस जीती जिसके बाद उनकी इस पद की दावेदारी पर पार्टी हाईकमान की मुहर लगी थी। देखना होगा कि अरूण साव को टिकट थमाई जाती है या नहीं और अगर ऐसा होता है तो क्या साव इस मौके को अपने लिये भुना पायेंगे? छत्तीसगढ़ की केन्द्रीय मंत्रिमंडल में एकमात्र प्रतिनिधि सरगुजा लोकसभा क्षेत्र की सांसद रेणुका सिंह हैं। क्या उन्हें भी छग में किसी सीट पर विधानसभा चुनाव लड़ने के लिये कहा जायेगा? अब तक इसका खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि अभी काफी सीटों पर नाम घोषित होने बकाया हैं।

खैर, मध्यप्रदेश का मसला और भी दिलचस्प है। पेचीदा भी। छग में तो भाजपा के पास खोने के लिये कुछ नहीं है परन्तु मप्र में तो पूरी सरकार ही उसकी झोली से सरक सकती है। वैसे भी पिछली बार कांग्रेस की ही सरकार बनी थी। कमलनाथ के नेतृत्व में वह डेढ़ साल चली भी परन्तु ज्योतिरादित्य सिंधिया की अगुवाई में दर्जन भर से ज्यादा विधायकों को तोड़कर अपने पक्ष में लेते हुए शिवराज सिंह के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी थी। इस लिहाज से यह पराजित पार्टी की सरकार है। इस बीच सरकार के खिलाफजन आक्रोश तगड़ा है। वहां तीन तरह की भाजपा बतलाई जाती है- शिवराज की, महाराज की (सिंधिया) और नाराज की (असंतुष्टों की)। यहां पीएम व शाह के लगातार दौरे हो रहे हैं लेकिन हालत सुधरने के नाम नहीं ले रहे हैं। उल्टे, कांग्रेस सतत मजबूत हो रही है। ज्योतिरादित्य के निकटस्थ कई लोग कांग्रेस में लौट चुके हैं। पिछले हफ्ते मोदी जब आये तो उन्होंने मंच पर शिवराज से जो व्यवहार किया तथा सम्बोधन के दौरान उनका नाम तक नहीं लिया, उससे कुछ साफसंकेत मिल रहे हैं। कहा जा रहा है कि चौहान साहब अब मोदी के विश्वासपात्र नहीं रहे। उन्हें निपटाने के लिये ही मोदी-शाह ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों- प्रह्लाद पटेल, नरेन्द्र सिंह तोमर, फगन सिंह कुलस्ते समेत 7 सांसदों को विधानसभा सीटों की टिकटें थमाकर राज्य में भेज दिया है।

इतना ही नहीं, राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय सहित, जो कभी खुद ही प्रत्याशी तय करते थे, अब इंदौर-1 से चुनाव लडेंगे। कहा जाता है कि मप्र भाजपा के सामने मुद्दों के साथ चेहरों के भारी अभाव के ही चलते भाजपा ने इतने सांसदों को उतारा है। अब भाजपा को बहुमत मिलता है तो मुख्यमंत्री पद के लिये और हारती है तो विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के लिये बड़ों के बीच घमासान तय है। मजेदार बात यह है कि अब तक खुद शिवराज सिंह चौहान की उम्मीदवारी का अता-पता नहीं है। अगर वे चुनावी मैदान में नहीं उतारे जाते तो किसके चेहरे पर पार्टी चुनाव लड़ेगी, यह सवाल भी बड़ा है। स्थानीय चेहरे के अभाव में यह चुनाव अपने आप मोदी की छवि और उन्हीं के चेहरे पर लड़ा जायेगा। पराजय सामने दिख रही है, तो ऐसे में क्या मोदी अपना नाम राज्य इकाई को उधार देंगे? रणनीति की यह उलटबांसी भाजपा के लिये वरदान बनती है या कयामत- देखना दिलचस्प होगा।

प्रोग्राम में ओबीसी का कोटा नदारद

मंडल विरोधी भाजपा का यही असली पिछड़ा वर्ग विरोधी चेहरा

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ स्थित केन्द्रीय विश्वविद्यालय बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी में पीएचडी प्रोग्राम के लिए 128 सीटों के 11सितम्बर के विज्ञापन में ओबीसी को 34&35 सीटों के कोटा की जगह शून्य कर दिया गया है।भारतीय ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौ.लौटन राम निषाद ने कहा कि जब केन्द्रीय विश्वविद्यालय बीबीएयू में ईडब्ल्यूएस को आरक्षण कोटा दिया गया है तो ओबीसी को क्यों नहीं? केन्द्रीय आरक्षण नियमावली के अनुसार ओबीसी को 27 प्रतिशत, एससी को 15 प्रतिशत, एसटी को 7.5 प्रतिशत, ईडब्ल्यूएस को 10 प्रतिशत कोटा निर्धारित है और 40.5 प्रतिशत अनारक्षित कोटा है, इसके बावजूद ओबीसी पीएम और ओबीसी शिक्षा मंत्री के रहते ओबीसी के साथ पूरी तरह नाइंसाफी की जा रही है। संविधान के 102 वें संविधान संशोधन द्वारा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा 2018 में दिया गया, फिर भी पिछड़ी जातियों के कोटे की व्यापक तौर पर हकमारी की जा रही । निषाद ने बताया कि बीबीएयू लखनऊ में लाइब्रेरी एण्ड इन्फर्मेशन साइंस 31सीट, जूलोजी 17, इन्वायरोमेंटल साइंस 21, इन्फर्मेशन टेक्नालॉजी 15, हार्टीकल्चर 24, लॉ 14 संस्कृत 4 और इंगलिश 2। सहित कुल 128 सीटों का विज्ञापन प्रकाशित हुआ है जिसमें 57 सीट अनारक्षित कोटा में रखी गयी है।

खेत-खलिहान से

डा. के.के.पाठक, कृषि वैज्ञानिक

शाक-भाजी संबंधी जानकारियों के क्रम में इस बार जाने इन सब्जियों के बारे में-

कमल गट्टा सब्जी

यह एक अद्भुत स्वादिष्ट एवं पोषक तत्वों से भरपूर सब्जी है। इसमें पोटैशियम, मैग्निशियम, आयरन, प्रोटीन, वसा, ऊर्जा एवं विटामिन बी 6 प्रमुख रूप से पाया जाता है। कमलगट्टा की सब्जी खाने से कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर की समस्या का निदान पूरी तरह से हो जाता है। नींद से जुड़ी सभी समस्याओं का हल कमल गट्टे में पाया जाता है। साथ ही यह मधुमेह के रोगियों के लिये रामबाण है। डायरिया, दस्त, कब्ज, अपच व पेट की अन्य बीमारियों के निदान में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। पुरुष एवं महिलाओं में इनफर्टिलिटी की समस्या इससे दूर होती है। गर्भावस्था में लाभदायक परिणाम मिलता है। मोटापे को दूर भगाने और हड्डियों की मजबूती तथा मांसपेशियों को स्वस्थ्य रखने में कमलगट्टा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

नुकसान : जिन लोगों का ब्लड सूगर लो रहता है उन्हे कमल गट्टे के अधिक सेवन से बचना चाहिए।

कचरी सब्जी

कचरी को जंगली तरबूज भी कहा जाता है। यह अमूमन बरसात के दिनों में स्वत: उगने वाली सब्जी है जो पोषक तत्वों से भरपूर है। इसे शरीर के लिये अमृत कहा गया है। इसमें कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट काफी कम पाया जाता है। इसमें विटामिन ए, प्रोटीन, वसा, विटामिन सी, पोटैशियम, फाईबर के अलावा और भी बहुत सारे पोषक तत्व पाये जाते हैं। इसमे एंटी आक्सीडेंट, प्रोटीन और विटामिन सी की अधिक मात्रा पाये जाने के कारण हमारे शरीर में प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है जो रोग-बीमारियों को पनपने नहीं देती ? कब्ज, अपच, गैस व पेट से सम्बंधित अन्य बीमारियों के निदान में सहायक है। खाँसी, जुकाम, सर्दी में लाभदायक है। फोड़ा, फुन्सी तथा त्वचा रोगों में इसका सेवन बहुपयोगी पाया गया है। यदि भूख कम लगती हो तो कचरी की सब्जी खायें भूख बढ़ जायेगी। इसका ग्लाईसेनिक इंडेक्स काफी कम होता है जो सूगर और एन्सुलीन के मेटाबालिज्म में मददगार होता है। किडनी को स्वस्थ्य रखने, शरीर के नेचुरल डीटाक्सीफिकेशन को स्पोर्ट करता हैं और इसमें पेशाब बढ़ाने के गुण पाये जाते हैं। मस्तिष्क को स्वस्थ्य रखने में मदद करते हैं। मिनरल्स न्युरोट्रांसमीटर के उत्पादन में सहायक होते हैं जिसके कारण अच्छी नीद आती है। डिप्रेशन और चिन्ता को दूर करते हैं। मांसपेशियों को मजबूत बनाने में इसका अहम योगदान होता है।

नुकसान : कचरी के अधिक और लगातार खाने से पेट सम्बंधित बीमारी हो सकती है तथा नपुंसकता जैसी समस्या आ सकती है।

हाईकोर्ट ने टीलेवाली मस्जिद में अनाधिकृत गतिविधियों पर रोक लगायी

लखनऊ। उच्च न्यायालय, लखनऊ ने आज टीले वाली मस्जिद के मामले में पुरातत्व विभाग को निर्देश देते हुये मस्जिद परिसर में अनाधिकृत गतिविधियों पर रोक लगाने के निर्देश दिये है और साथ ही इस मामले में केन्द्र सरकार, प्रदेश सरकार, नगर निगम, यूपी सुन्नी बोर्ड को भी नोटिस जारी करते हुये आगामी दस अक्टूबर नियत सुनवाई तिथि को जवाब दाखिल करने को कहा है। अखिल भारत हिन्दू महासभा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं हिन्दू पक्ष एवं याचीगणों के अधिवक्ता शैलेन्द्र श्रीवास्तव की ओर से दायर याचिका संख्या 8255 वर्ष 2023 लार्ड शेषनाग टीलेश्वर महादेव विराजमान व अन्य बनाम यूनियन आफ इण्डिया पर सुनवाई करते हुये उच्च न्यायालय ने यह आदेश जारी किया। मालूम हो कि बीते दिनों लक्ष्मण टीला परिसर में बनी मस्जिद के पश्चिमी हिस्से की विवादित जमीन की साफ सफाई कर झूले लगाये जाने पर आपत्ति करते हुये चौक कोतवाली पर शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया गया था, लेकिन शिकायत दर्ज नहीं की गयी। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि लक्ष्मण टीला के परिसर बनी मस्जिद और अन्य विवादित स्थलों पर मस्जिद की देखरेख करने वाले जिला प्रशासन की देखरेख में समय-समय पर साफसफाई के नाम पर वहां बने मन्दिर के अवशेषों को नष्ट किया जा रहा है।

मंत्री नन्दी ने भ्रमण कर की लोगों की सेवा

बस्तियों में चौपाल लगाकर सुनी लोगों की समस्या, भोज में हुए सम्मिलित

लखनऊ(यूएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पूरे देश में मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों की सेवा की। वहीं देश एवं प्रदेश की तरक्की, विकास कार्यों के साथ ही विश्व स्तर पर भारत की लगातार बढ़ रही ख्याति पर चर्चा की। मंत्री नन्दी ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों की सेवा करते हुए उनका हालचाल लिया, फल वितरित किया। वहीं बुजुर्गों के साथ ईश्वर भजन करते हुए आशीर्वाद लिया।मंत्री नन्दी ने सेवा पखवाड़ा के तहत दिन की शुरूआत प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के नैनी, ददरी, मामा-भांजा तालाब स्थित स्मृति उपवन में पौधरोपण के साथ की। मंत्री नन्दी ने स्मृति उपवन में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया। प्रयागराज की निवर्तमान महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी, जिला पंचायत राज अधिकारी बालगोविन्द श्रीवास्तव, मण्डल अध्यक्ष नैनी दिलीप केसरवानी आदि ने पौधरोपण किया। अपौधरोपण के बाद मंत्री नन्दी आधारशिला वृद्धा आश्रम नैनी पहुंचे जहां उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों एवं वृद्धजनों के बीच समय बिताते हुए उनकी सेवा करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। मंत्री नन्दी ने कल्पवृक्ष वृद्धजनों के साथ भगवान की स्तुति करते हुए भजन किया। आधारशिला वृद्धा आश्रम के बुजुर्ग अनन्त श्रीवास्तव अगुवाई में बुजुर्ग दिनेश वर्मा ने भजन गाया तो वहीं ढोलक पर बुजुर्ग भैरो गौतम, हारमोनियम पर भोलानाथ सोनी ने संगत किया। इस अवसर पर आधारशिला वृद्धाश्रम के प्रबंधक शीतला प्रसाद श्रीवास्तव, निवर्तमान महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी, महानगर उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।मंत्री नन्दी नैनी के उद्योग नगर, मुक्ता विहार में आयोजित समरसता चौपाल एवं सहभोज कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। यहां मंत्री नन्दी ने लोगों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका कुशल क्षेम जाना। माताओं व बहनों से नारी शक्ति वंदन अधिनियम, आयुष्मान कार्ड योजना, उज्जवला योजना एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की। मंत्री नन्दी ने कहा कि योगी सरकार में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना से बेटियों के जीवन को सजाया व संवारा जा रहा है। प्रदेश के हर क्षेत्र को विकास से जोड़ने का कार्य चल रहा है।मंत्री नन्दी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देश एवं प्रदेश की सेवा में तत्पर हैं। पीएम के भाई के पास जहां गाड़ी नहीं है, मुख्यमंत्री की बहन उत्तराखण्ड में पहाड़ पर फूल माला बेचती हैं। ऐसे कर्मयोगी प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के हाथ में देश व प्रदेश की कमान है।

गाँधी के आँधी

(अवधी गीत, लोक शैली, ताल कहरवा)

अरे जेहकर बदे हम मनाई आजादी केरा उत्सौ,
अरे आव हम उनकेर नाम धाम काज कछु जानी ।।टेक।।

इक दूबर पातर मानुस के जान बड़ो भारी।
अंगरेजवन के खोपड़ी हिलाय दिहिन सारी।।

गाँव गाँव औ सहर नगर मा ऐसी चल गै आंधी।
जेहकर द्याखौ ओ ही गुहारै बाबा गाँधी गाँधी।
एहि गाँधी कै धन्य होय गयीं महतारी।।

मोहन मोहन दास भये कर्मन कै चन्द करिस्मा।
लिये लकुटिया हाथन मा, अँखियन वे पहिरे चस्मा।
देस भक्ति से सीचिन भारत फुलवारी।।

आजादी कै बिगुल बजा आजादी दौरी आई।
कुर्बानी सहीदन के औ गाँधी के अगुवाई।
धन्य धन्य हुईगा देस आपन गाँधी कै बलिहारी।।

साबर मती कै सन्त, सत्य अहिंसा कै पुजारी।
हम मनाई आजादी कै उत्सव हर दिन भारी।
अमृत महोत्सव कै चमकै चमाचम उजियारी।।

रचना -
संगीत विदुषी प्रो.कमला श्रीवास्तव

दादी नानी की कहानी में प्रकट हुए स्वर्ग के देवता

चुन्नू को मिला स्वर्ग के रास्ते का मंत्र
उच्च प्राथमिक विद्यालय निराला नगर में पाठ्य सहगामी आयोजन
लोक संस्कृति शोध संस्थान का आयोजन, स्टोरीमैन जीतेश ने सुनायी कहानी

लखनऊ। दादी नानी की कहानी में स्वर्ग के देवता प्रकट हुए। चुन्नू को अच्छाई के रास्ते पर चलने की सीख दी। पाठ्य सहगामी आयोजन तथा खेल-खेल में शिक्षा के तहत लोक संस्कृति शोध संस्थान की मासिक श्रृंखला दादी-नानी की कहानी में स्टोरीमैन जीतेश श्रीवास्तव ने लोक कथा स्वर्ग का देवता सुनाई। गत 23 सितम्बर को निराला नगर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में कथा के माध्यम से दूसरों का भला करने, ईमानदारी और नैतिकता जैसे प्रेरणात्मक सन्देश बच्चों को दिये गये।

स्टोरीमैन जीतेश श्रीवास्तव ने कहानी की शुरुआत बड़े ही रोचक तरीके से की। कहानी सुनाती दादी से जब चुन्नू को यह पता चला कि स्वर्ग में चाकलेट के पेड़ होते हैं और जूस की नदियां बहती हैं तो वह स्वर्ग जाने की जिद करने लगा। रात को सपने में उसे स्वर्ग के देवता मिले और बताया कि स्वर्ग जाने के लिए पुण्य का पैसा चाहिए जो अच्छे काम करने पर ही मिलेगा।

नाटकीय घटनाक्रम के बाद अन्त में चुन्नू को स्वर्ग के रास्ते का मंत्र मिल जाता है और वह अच्छा बच्चा बन जाता है। कथा के माध्यम से बच्चों की कल्पना शक्ति बढ़ाने, गलत कामों से दूर रहने, दूसरों का भला करने जैसे सन्देश दिये गये।

लोक संस्कृति शोध संस्थान की सचिव सुधा द्विवेदी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत उच्चारण अभ्यास के लिए टंग ट्विस्टर से की गई। बच्चों ने कहानी पर आधारित बोधात्मक प्रश्नों के उत्तर दिये और टाफियां प्राप्त की। साहित्यकार, गायिका एवं समाजसेविका श्रीमती अर्चना गुप्ता ने बच्चों से संवाद किया तथा बोधात्मक कविता सुनायी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्रीमती ममता श्रीवास्तव, अध्यापकगण सुश्री रेखा पाण्डेय, पूजा सिंह, रुचि सिंह, कुसुम मिश्रा के साथ ही सेवानिवृत बैंक अधिकारी राजनारायण वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार शम्भूशरण वर्मा, डा.एस.के. गोपाल, आसरा वेलफेयर फाउण्डेशन के महामंत्री अनुराग साहू, युवा समाजसेवी नैमिष सोनी, माधुरी आदि की प्रमुख उपस्थिति रही।

विद्युत उपभोक्ताओं को वाट्सएप ग्रुप व चौनल से जोड़ा जायेगा

लखनऊ (यूएनएस)। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु वाट्सएप ग्रुप एवं चौनल चालू किया जायेगा।

प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार उपभोक्ताओं के हित में और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है, जिससे कि वे अपनी समस्याओं का हल एवं सुविधाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि योगी सरकार सरकार बनने के बाद से लगातार करोड़ो विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा एवं समस्याओं के लिये अनेक प्रयास किये गये। इस समय भी बिजली विभाग द्वारा ''आपके द्वार'' एवं 'फेन घुमाओं' अभियान चलाया जा रहा है। इस योजना में विभाग के अधिकारी उपभोक्ता के घर-घर जाकर विद्युत सम्बन्धी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं और उनकी समस्याओं को हल कर रहे हैं। इसी तरह फेन घुमाओं अभियान के माध्यम से उपभोक्ताओं को बिजली बिल ससमय जमा करने आदि के बारे में प्रेरित किया जा रहा है। उपभोक्ता हमारे लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उपभोक्ता देवो भवः की नीति के तहत उनकी सभी समस्याओं का हल उसे फ्रेन्डली माहौल में मिले। इसके लिए पावर कारपोरेशन एवं अन्य ऊर्जा निगमों द्वारा ऐसा प्रयास पहली बार सफलतापूर्वक किया जा रहा है।अभी तक उपभोक्ताओं से ट्विटर, फेसबुक, पोर्टल, ऐप आदि के माध्यम से सम्पर्क किया जा रहा है। लेकिन वाट्सएप सम्पर्क का एक सशक्त माध्यम है। इसलिये ऊर्जा विभाग वाट्सएप के माध्यम से भी उपभोक्ताओं से सम्पर्क में रहे, इस पर कार्य करने के लिये निर्देश दिये गये है।

दवा भंडार में लगी आग, लाखों का नुकसान

सीतापुर। शहर के रोटी गोदाम मोहल्ले में स्थित दवा भंडार में बुधवार सुबह अचानक आग लग गई। लपटों में कई दस्तावेज, प्रचार सामग्री, दवाइयां भी जल गईं। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया।

रोटी गोदाम मोहल्ले में एएनएम प्रशिक्षण केंद्र खुला है। परिसर में ही दवा भंडार के लिए अलग इमारत बनी है। यहां दवा, प्रचार सामग्री व रजिस्टर आदि रखने की व्यवस्था है। बुधवार सुबह करीब 8.45 पर दवा भंडार में आग लग गई। लोगों ने इमारत से धुआं उठते देखा तो इसकी जानकारी दमकल विभाग को दी। दमकल टीम ने आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। इमारत में कागज, रूई व प्लास्टिक की सिरिंज होने से कुछ ही देर में लपटें विकराल हो गईं।

धीरे-धीरे दमकल के छह वाहन मौके पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान रूई, सिरिंज, सेनेटरी पैड, दवाओं के अलावा कई दस्तावेज राख हो गए। हादसे में कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन अभी तक विभाग नहीं कर पाया है। आग लगने से इमारत में कई स्थानों पर दरारें आ गई हैं। इससे भवन के गिरने की आशंका बढ़ गई है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आसपास के लोगों ने बताया है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। लेकिन अभी इसकी जांच की जाएगी। सीएमओ हरिपाल सिंह ने बताया कि आग बुझाने को लेकर सारे इंतजाम मौजूद थे। लेकिन ताला पड़ा होने के कारण आग को नहीं बुझाया जा सका। कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन किया जा रहा है। दमकलकर्मियों ने सूझबूझ के साथ बहादुरी भी दिखाई। कई दमकल कर्मी जख्मी भी हो गए। दरअसल, आग बुझाने के चक्कर में कर्मी भवन के अंदर घुस गए। सेफ्टी वस्त्र पहनने के बावजूद उनके पैरों में कई सिरिंज लग गईं। मौके पर न तो नगर पालिका की टीम थी, न कोई अन्य सहायता। धुआं निकालने के लिए उन्हें खिड़कियों के शीशे भी तोड़ने पड़े।

सोने की अशर्फी, क्रांतिकारियों की लालटेन..चंबल संग्रहालय में दुर्लभ चीजें देख कर अचंभे में आए लोग

चंबल संग्रहालय के पांचवे स्थापना पर दो दिवसीय प्रदर्शनी, चंबल अंचल की दुर्लभ चीजों का अनोखा संग्रह

पंचनद। चंबल संग्रहालय के पांचवे स्थापना पर दो दिवसीय संरक्षित दुर्लभ दस्तावेजों को प्रदर्शनी लगाई गई। समापन समारोह के अतिथि पूर्व कुलपति, प्रधान सचिव, पूर्व सांसद और आईएएस डॉ. भागीरथ प्रसाद ने संग्रहालय का अवलोकन करने के बाद कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान वे देश के बहुत सारे संग्रहालय में गए लेकिन इतना जखीरा मुझे कहीं भी नहीं मिला है जितना चंबल संग्रहालय में है। यहां के आम लोगो के द्वारा दान देकर जिन दुर्लभ चीजों को संरक्षित किया गया है वह अचंभित करने वाला है।

डॉ. भागीरथ ने कहा कि 'मैं पहली बार पचनदा आया हूं। चंबल संग्रहालय की यात्रा और पांच नदियों का संगम देखने के बाद मैं ये दावे के साथ कह सकता हूं की ये विश्व का सबसे बेहतर पर्यटन स्थल जल्द ही बन जायेगा। यहां पर मैने चंबल अंचल से जुड़ी सैकड़ों साल पुरानी पुस्तके, दर्जनों दुर्लभ पत्र, सैकड़ों दुर्लभ दस्तावेज, इटावा और जालौन के प्राचीन गजेटियर, सैकड़ों दुर्लभ सिक्के जिसमें सोने की अशर्फी, अष्टधातु निर्मित धूम्रपान दंडिका, क्रांतिकारियों के द्वारा प्रयोग की गई लालटेन, हरताल पत्थर, शिलाजीत पक्क पत्थर आदि देखने को मिले। ब्रिटिश कालीन सीमा रक्षण दूरबीन सबसे अद्भुत रही।

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रसिद्ध इतिहास लेखक देवेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि चंबल घाटी के हर गांव में समग्र इतिहास दबा हुआ है जिसका लगातार उत्खनन होना जरूरी है। श्री चैहान ने जोर देते हुए कहा कि मैं भी अपनी सामग्री का मोह छोड चंबल संग्रहालय को दान कर रहा हूं.

कार्यक्रम का संचालन करते हुए चंबल संग्रहालय के संस्थापक डॉ शाह आलम राना ने कहा कि जितनी भी दुर्लभ सामग्री मिल रही है उसका प्रकाशन किया जाएगा । जब तक चंबल संग्रहालय को स्थाई भवन नही मिल जाता तब तक समय समय पर पर्यटकों एवम शोधार्थियों के लिए प्रदर्शनी आयोजित की जाती रहेगी। इस अवसर पर सिद्धिक अली, शरद प्रकाश पटेल , आदिल खान, वीरेंद्र सिंह सेंगर , एस एस राजा आदि मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में मंत्री आशीष पटेल घायल

लखनऊ/मिर्जापुर(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल आज प्रयागराज मिर्जापुर मार्ग पर सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं।

मेजा रोड के पास काफिले के वाहनों के आपस में टकराने से उनके पैर, हाथ और सीने में चोट आई है। ट्रामा सेंटर में उनका इलाज चल रहा है।हादसे की जानकारी होते ही पुलिस और पार्टी कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। आशीष पटेल को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया है। अस्पताल के आसपास उनके समर्थकों की काफी भीड़ जमा हो गई है। कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल की आज शादी की सालगिरह भी है। उनकी पत्नी और

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बुधवार सुबह एक्स पर दो पोस्ट भी डाली थी। पोस्ट में अनुप्रिया ने आशीष पटेल के साथ फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि जिंदगी में रंग कई, वक्त ने भर डाले साथ-साथ हमने क्या खूब शौक पाले किसी एक के बस की बात न थी, सो मिलकर हमने ये मसले सम्भालें। अनुप्रिया पटेल ने दूसरी में लिखा कि वक्त गुजरतेवक्त नहीं लगता,चुटकी बजाते 14 साल गुजर गए। एक-दूसरे का हाथ थामते वक्त जीवन की अलग कल्पना मन में थी। क्या पता था जिंदगी हमारे सपनों में कुछ अलग रंग भर देगी।

जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया

इटावा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय (प्रचार- प्रसार) के पत्र संख्या 126-96/खा0ग्रा0 बो0/प्रचार/जागरूकता कमेटी पत्रा0-12/2023-24 दिनांक 09.08. 2023 के क्रम में 04 जागरूकता शिविरों का आयोजन तहसील चकरनगर पर किया जाना सुनिश्चित हुआ है।

उपरोक्त कम में विभागीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं समाज के बेरोजगार व्यक्तियों को उद्योग लगाने हेतु विभागीय योजनाओं के प्रति अधिकाधिक जागरूक कराने के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी महोदय से प्राप्त निर्देशानुसार दिनांक- 29/09/2023 समय 11:00 बजे मीटिंग हाल तहसील चकरनगर जनपद इटावा में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाना सुनिश्चित हुआ है।

उन्होंने सभी युवाओं से अनुरोध किया है कि एक दिवसीय जागरूकता शिविर को सफल बनाने हेतु समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें, जिससे विभाग की संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंच सके।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 115 वीं जयंती के अवसर पर

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन संपन्न

डॉ. नन्दकिशोर साह
ईमेल-
nandkishorsah59@gmail.com
मोबाईल 09934797610

विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन 20–21 सितंबर, 2023 को दिल्ली के विज्ञान भवन में संपन्न हुआ। इसका आयोजन राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 115वीं जयंती के अवसर पर किया गया। जिसमें विभिन्न सत्रों में हिन्दी भाषा, साहित्य, संस्कृति व सत्ता, प्रशासन से जुड़े महत्वपूर्ण विद्वतजनों ने दिनकर के राष्ट्रवादी चिंतन और उन की विलक्षण, अतुलित शब्द सामर्थ्य का स्मरण करते हुए उन्हें हिन्दी भाषा, प्रगतिशीलता और मानवता के पक्षधर के रूप में ऋषितुल्य कालजयी कवि बताया।

गृह मंत्रालय के राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र ने दिनकर की अनेक कालजयी रचनाओं को उद्धृत करते हुए कहा कि दिनकर जी राष्ट्रवादी चेतना के एक उत्कृष्ट कवि ही नहीं, बल्कि उच्च कोटि के राजनीतिज्ञ भी थे। उनकी कविताओं ने न केवल हिंदी भाषा को समृद्ध बनाया है बल्कि हरेक वर्ग और हर पीढ़ी के लिए उनकी कविताएं, उनका सृजन एक आदर्श हैं।

डॉ.विपिन कुमार महासचिव विश्व हिंदी परिषद ने कवि के महान व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए कहा कि परिषद का इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन के पीछे हिंदी भाषा व हिंदी सेवियों के मध्य एक मजबूत पुल खड़ा करना है। सम्मेलन में आलेख प्रकाशन, वाचन, कवि सम्मेलन, सम्मान के अलग-अलग प्रकल्पों के साथ हिंदी भाषा को संवैधानिक रूप से राष्ट्रभाषा बनाने के प्रति एक रचनात्मक व वैचारिक वातावरण खड़ा करने का भी परिषद का मूल उद्देश्य है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है की हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित होगी साथ ही यह एक विश्व भाषा भी बनेगी। उन्होंने रामधारी सिंह दिनकर के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु जी के साथ हुए एक बहुचर्चित वाकया को दोहराते हुए कहा जब भी राजनीति लड़खड़ाएगी, तब-तब साहित्यकार उसे सहारा देकर संभालने में समर हैं।

मणिपुर की महामहिम राज्यपाल अनसूइया उइके ने सम्मेलन में कहा कि हिंदी भाषा भारतीय संस्कृति और सभ्यता की परिचायक है, जो हमारे जीवन मूल्य, संस्कृति संस्कारों की सच्ची संवाहक और संप्रेषण भी है। उन्होंने कहा कि हिंदी एक ऐसी मीठी, मृदुल, वैज्ञानिक भाषा भी है जो हमारे पारंपरिक ज्ञान, सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक प्रगति के बीच का सेतु है और हिंदी आम आदमी की भाषा के रूप में हमारे विशाल देश भारत की एकता का सूत्र भी है। हिंदी को मिल जुलकर हमें हर दृष्टि से सर्वत्र सर्वोपरि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने हिंदी को सर्वोत्कृष्ठ व सार्वभौमिक भाषा बताते हुए कहा कि हिंदी भाषा की समृद्धि और प्रचार प्रसार के लिए इस तरह के उत्कृष्ट व विराट कार्यक्रम जगह-जगह होने चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे हिंदी भाषा से बहुत अधिक प्रेम है। अंत में मणिपुर की जनता के कुशल भविष्य की कामना की।

स्वामी चिदानन्द महाराज ने कहा कि जब हम अपना जीवन जननी हिंदी, मातृभाषा हिंदी के लिये समर्पित कर दें, तभी हम हिंदी प्रेमी कहला सकते हैं। जिस भाषा ने भारत के लगभग सभी राज्यों और क्षेत्रों को जोड़ने का अनुपम कार्य किया है। अब समय आ गया है कि सभी भारतवासी हिन्दी के विराट अस्तित्व को जानें और उसे किसी भी प्रकार के भाषायी विवादों में न घसीटें। हिंदी के प्रसार इसका प्रमुख कारण हिंदी साहित्य, ग्रंथ, हिंदी सिनेमा, टेलीविजन तथा हमारी विविधता में एकता की संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान है। इसका प्रयोग पढ़ने, लिखने और संवाद हेतु किया जाता है व हिंदी अपनेपन और आत्मीयता युक्त संवाद की सबसे उत्तम भाषा है।卐 स्वामी जी ने कहा कि हिंदी को भारत की आधिकारिक रूप से भाषा के साथ तकनीकी भाषा के रूप में स्वीकार करना नितांत आवश्यक है ही, परन्तु भारतवासियों को पहले हिंदी को हृदय से स्वीकारने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने शब्दों मे हिंदी के प्रति असीम प्रेम और गर्व की भावना रखते हुए आज के परिवेश में हिंदी के वैश्विक स्तर प्रसार सभी के कार्यों को सराहा।

मीडियाकर्मी सुधीर चौधरी ने बतौर अतिथि अपने वक्तव्य में कहा कि राष्ट्रभाषा हिंदी की गरिमा और संरक्षण को बनाए रखने के लिए विश्व हिंदी परिषद जैसी लोक मंगल व सर्व कल्याण कारी संस्थाएं समर्थ और सक्रिय रूप से जो कार्य कर रही हैं। विश्व भर में आज हिंदी प्रथम स्थान बनने की ओर अग्रसर है। हम अपने घर परिवारों में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करें। आज के समय में ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप टेलीग्राम, युट्यूब और तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिन्दी का बढ़-चढ़ कर प्रचार करने पर ज़ोर दिया।

राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र और धर्म के दर्शन और संस्कृत व्याकरण के विशेषज्ञ प्रो.सच्चिदानंद मिश्र,

जहानाबाद के पूर्व सांसद अरुण कुमार ने संसद भवन में दिनकर की विराट मूर्ति की स्थापना की भी बात कही। राष्ट्रकवि दिनकर जी के सुपौत्र, पत्रकार एवं लेखक अरविंद सिंह पटना ने अपने दादा की पावन स्मृतियों को जीवन्त किया व उनकी कुछ कविताओं का वाचन भी किया। उनकी सुपौत्री श्रीमती पदमा सिंह जी भी उपस्थित रहीं। ग्लोबल ओपन यूनिवर्सिटी, नागालैंड के कुलाधिपति प्रोफेसर प्रियरंजन त्रिवेदी, त्रिनिदाद व टबेगो के उच्चायुक्त, डॉ.रॉजर गोपॉल फ़िज़ी के उच्च आयोग के सलाहकार निलेश रोनिल कुमार व मॉरिशस के उच्च आयुक्त हयामंड्रोयल डिलम एवं सूरीनाम के उच्चायुक्त अरुणकुमार हरदीन ने अपने-अपने विद्वतापूर्ण उद्बोधन में हिंदी की बढ़ती जा रही लोकप्रियता व महिमा को स्वीकारते हुए मूल रूप से यही कहा कि एक उच्च भारतीय भाषा के रूप में हिंदी अब एक वैश्विक भाषा बन चुकी है, जिसे किसी भी भाषा से खतरा नहीं है। मुख्य अतिथि सिक्किम के राज्यपाल महामहिम लक्ष्मण कुमार आचार्य ने हिंदी के प्रचार प्रसार के योगदान हेतु बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रकवि दिनकर एक ऐसे कवि थे जो मानव मात्र के दु:ख- दर्द और पीड़ा को शिद्दत से महसूस करते थे, जिनके लिए राष्ट्र सिर्फ़ सर्वोपरि था। जिनकी कालजयी हुंकार भरती हुई ओजस्वी कविताएं एक साधारण किसान, एक श्रमिक से लेकर किसी स्कॉलर छात्र तक के लिए एक प्रेरणा का स्रोत रही हैं। राज्यपाल ने कहा कि आज समय आ गया है कि जन-जन में राष्ट्रवादी चिंतन के ऐसे शिरोमणी कवि के उच्च विचारों को पहुंचाया जाए, ताकि वैश्विक पटल पर हिंदी का सूरज प्रदीप्त बना रहे।

संघ के प्रचारक व राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के सलाहकार इन्द्रेश कुमार ने कहा कि हिंदी साहचर्य सौहार्द, भातृत्व भाव से भरी भाषा है और इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने से पहले हमें अपने परिवारों में स्थाई रूप से अपनाना होगा। उन्होंने कहा स्वयं को कभी किसी भाषा की निंदा नहीं करनी चाहिए, क्योंकि भाषा, शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा की पहचान भी है यह संस्कृति, जीवन शैली अभिव्यक्ति भी है और हम किस भाषा में बोली बोलेंगे यह ईश्वर प्रदत्त है। अत: ईश्वर की देन को कभी हीन नहीं मानना चाहिए। हमें स्वभाषा स्वदेश पर भी स्वाभिमान होना चाहिए। उन्होंने कहा देश प्रेम प्रथम देश प्रेम सत जीवन का सार तत्व है। दिनकर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे देश का सौभाग्य है की वसुधैव कुटुंबकम की भावना के स्त्रोत ओजस्वी और राष्ट्रवादी कविताओं को लिखने वाले दिनकर जी एक अमरजोत है जिनकी ज्योति हमेशा हमारे हृदय में रहेगी। उन्होंने कहा कि आज जहां हमारी संस्कृति में पश्चिम प्रभाव आता जा रहा है जो चिंतनीय विषय है।

स्वामी विवेक चैतन्य महाराज ने कहा जी 卐 चंद लोगों द्वारा बोली जाने वाली अंग्रेज़ी को खूब प्रचारित किया गया मैकाले के मानस पुत्रों द्वारा, अत: हम सभी भारत बसियों को हिन्दी को विश्व पटल पर ले जाने के लिए एकजुट होकर अग्रसर होना चाहिए।

केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने अपने जीवन अनुभवों को बताते हुए दिनकर की ऊर्जावान कविताओं का उदाहरण देते हुए अपने चिंतनशील भाषण में कहा कि हमें वर्तमान में हिंदी को सहेजने और संभालने की ज़रूरत है। उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिला आरक्षण बिल को पारित करने के संबंध में बधाई देते हुए सभी महिलाओं से कहा कि आप उन्हें कुछ कविताओं को भूलना होगा जिनमें से महिला के दोयम दर्जे पर होने की महक आती है।

विशिष्ट अतिथि साध्वी भगवती सरस्वती ने बताया की अक्सर लोग उनसे हिन्दी में बात करने पर अंग्रेज़ी में प्रतिक्रिया देते हैं, तो कैसे अंग्रेज़ी के प्रति लोगों को शुरू से अग्रसर रखा गया। हम सभी भारतवासियों को हिन्दी को विश्व पटल पर ले जाने के लिए एकजुट होकर अग्रसर होना चाहिए। जबकि मैं अमेरिका से जब भारत में आई तब से लोगों से बातचीत करते-करते मैंने मेहनत से हिंदी सीखी है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की महक उन्हें यहां तक खींच लाई है। काम के प्रति अपनी निष्ठा और रचनाधर्मिता की बदौलत परमार्थ निकेतन में स्वामी चिदानंद सरस्वती के निर्देशन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मूर्त रूप देने का अवसर मिला। साध्वी भगवती ने बताया कि दुनिया भर के करीब 200 से ज़्यादा देश योग दिवस में उनके निर्देशन में प्रतिभाग करते हैं जो दुनिया भर के सबसे बड़े आयोजनों में शुमार होता है। उन्होंने कहा मैं एक है हिंदी भाषा प्रदेश की निवासी हूं, फिर भी पर्यावरण और योग के क्षेत्र में वैश्विक प्रयासों के चलते ही उन्हें ग्लोबल इंटरफेथ वाश एलायंस का महासचिव बनाया गया है। उन्होंने कहा भारतीय संस्कृति की कई विशेष बातें हैं। मुझे भी हिंदी और हिंदुस्तान से प्यार है।

जहानाबाद के पूर्व सांसद हिंदी एवं प्रकृति प्रेमी अरुण कुमार, विधान पार्षद शर्वेश कुमार, एन आइ ओ एएस के अध्यक्ष, विदुषी डॉ. सरोज शर्मा तथा उपभोक्ता मामलों खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अपर सचिव शांतमनु ने भी अपने विचार रखे। दिनकर के जीवन व उनके ओजस्वी कविताओं में उन्हें क्रांति व शांति का अमर दूत बताते हुए कहा कि दिनकर जी हिंदी साहित्य के वह सूरज हैं जिनका उजाला हिंदी साहित्य नहीं हमारे समाज, संस्कृति और देश की देहरी को एक सदी से आलोकित कर रहा है और आगे भी करेगा।

राज्यपाल ने उल्लेखनीय साहित्य एवं पत्रकारिता के क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य करने हेतु विशिष्टजनों का सम्मान किया। जिनमें मीडियाकर्मी सुधीर चौधरी, किरण चोपड़ा, उदय कुमार सिन्हा, कमलेश, मोरीशस की कवयित्री व लेखिका कल्पना लाल, नीदरलैंड की लेखिका एवं कवयित्री पुष्पिता अवस्थी, राष्ट्रवादी कवि व पूर्व सांसद ओमपाल सिंह, लीडर डॉ. कीर्ति काले, हिंदी प्रोफेसर स्वाति पाल, लंदन से आई सिम्मी राठौर-सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर आदि शामिल है। इस अवसर पर अनेक प्रबुद्ध साहित्यकारों का विश्व हिंदी परिषद की ओर से सम्मानित किया गया। विश्व हिंदी परिषद की स्मारिका 2023 का लोकार्पण अतिथि वृंदावन ने किया। पुष्पिता अवस्थी की दो किताबों का भी विमोचन अतिथियों ने किया। बिहार की डॉ.पूनम कुमारी परिषद की प्रादेशिक कार्यकारिणियों के अध्यक्षों-उत्तराखंड के भूदत्त शर्मा, हरियाणा के राजपाल यादव, बिहार के डॉ. किशोर सिंह गुजरात के मयंक कुमार ढ़ोलरराय रावल, महाराष्ट्र के प्रो.अर्जुन चव्हाण, राजस्थान के दिनेश सिंदल, झारखंड के अरूण सज्जन, हिमाचल प्रदेश के डॉ. मनोज शर्मा दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. दीनदयाल परिषद के विशिष्ट सहयोगी के रूप में प्रो. श्रीनिवास त्यागी, डॉ. श्रवण कुमार को विशेष स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। धन्यवाद सहसंयोजक दीपक ठाकुर व संचालन परिषद की राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. शकुंतला सरूपरिया ने किया।

राजेश्वर सिंह प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के बीच बंटवाएं तारा शक्ति केंद्रों में बने इको फ्रेंडली बैग

लखनऊ (यूएनएस)। बच्चों देश के कर्णधार हैं तो मातृशक्ति सशक्त राष्ट्र का आधार। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह अपनी अनोखी पहल के माध्यम से राष्ट्रोन्नति की दोनों मजबूत कड़ियों को एक साथ जोड़ रहे हैं।

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह क्षेत्र की महिलाओं को स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बनाने और भावी पीढ़ी को गुणवत्तापरक शिक्षा दिलाने के लिए संकल्पित हैं। उनके द्वारा क्षेत्र में अब तक 40 तारा शक्ति सिलाई सेंटरों की स्थापना की जा चुकी है जहां 600 से अधिक सिलाई मशीनें भी उपलब्ध कराई गईं हैं।आपको बता दें कि विधायक राजेश्वर सिंह द्वारा सरोजनीनगर में स्थापित किये गए इन तारा शक्ति सिलाई केंद्रों में माताओं-बहनों द्वारा बनाए गए इको फ्रेंडली बैग स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के बीच विधायक द्वारा ही निरंतर और निःशुल्क वितरित किए जा रहे हैं। डॉ. राजेश्वर सिंह की अभिनव पहल इको फ्रेंडली बैग वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को सरोजनीनगर के प्राथमिक विद्यालय मुल्लाही खेड़ा, प्राथमिक विद्यालय चंदावल, प्राथमिक विद्यालय अहमदपुर कमालपुर व प्राथमिक विद्यालय बिजनौर में स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को निःशुल्क कपड़े से बने बैग वितरित किए गए।मातृत्व भाव, स्नेह व समर्पण से बने इन बैग के साथ बच्चों को जब कॉपी, पेंसिल एवं चॉकलेट भी मिली तो उनके चेहरों पर आई खुशी और मुस्कान देखने लायक थी। इस दौरान प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों और पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में भी बताया गया। इस अभिनव पहल के लिए सभी स्कूल के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और बच्चों ने डॉ. राजेश्वर सिंह का आभार व्यक्त किया।

सरोजनीनगर के प्राथमिक विद्यालयों में निरंतर तारा शक्ति केंद्र में बने इको फ्रेंडली बैग्स का वितरण किया जा रहा है। इससे पहले बेसिक विद्यालय अमौसी, प्राथमिक विद्यालय अलीनगर खुर्द, प्राथमिक विद्यालय अनौरा, प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर इठुरिया, प्राथमिक विद्यालय देवी सिंह खेड़ा, प्राथमिक विद्यालय मीरानपुर पिनवट में भी बच्चों को कपड़े के बने इको फ्रेंडली बैग्स उपलब्ध कराए गए हैं।

75 दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव का शुभारम्भ

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के भाषा विभाग द्वारा ''75 दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव'' मनाया जा रहा है। जिसका शुभारम्भ संस्कृत संस्थान के सभागार में 28 सितम्बर को किया जा रहा है। संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव ने बताया कि तमिल के महाकवि सुब्रमण्यम भारती के जन्म दिवस 11 दिसम्बर भारतीय भाषा दिवस के रूप में घोषित है। इस भारतीय भाषा दिवस को इस वर्ष 75 दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव के रूप में पूरे प्रदेश में मनाया जा रहा है। इसी के अन्तर्गत शुभारम्भ कार्यक्रम में बहुभाषी संगोष्ठी हिन्दी, तमिल, कन्नड़, मराठी, संस्कृत, उड़िया, पंजाबी, सिंधी, उर्दू एवं बहुभाषीय कवि सम्मेलन, हिंदी,तमिल, कन्नड़, मराठी, संस्कृत, उड़िया, पंजाबी, सिंधी, उर्दू तथा रामायण पर आधारित नाटक का मंचन किया जा रहा है। बहुभाषीय काव्य समारोह की अध्यक्षता पद्मश्री डॉ अशोक चक्रधर करेंगे। भारतीय भाषा उत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन 04 बजे होगा।

तत्काल लागू हो महिला आरक्षण बिल

ओबीसी और एसटी समाज की महिलाओं को अलग-अलग आरक्षण ना देना गलत: मायावती

लखनऊ (यूएनएस)।एक तरफ जहां महिला आरक्षण बिल दोनों सदनों से पास हो जाने के बाद पूरे देशभर में जश्न का माहौल देखने को मिल रहा हैं तो वहीं बीजेपी मुख्यालय में भी पीएम मोदी और बीजेपी की महिला नेता दोनों सदनों में महिला आरक्षण बिल पारित होने के बाद जश्न के कार्यक्रम में डूबी हुई नजर आई.. इस दौरान पीएम मोदी का महिला सांसदों और बीजेपी कार्यकर्ताओं ने स्वैग से स्वागत किया तो वहीं दूसरी तरफ बसपा प्रमुख मायावती ने महिला आरक्षण बिल को पारित होने का तो स्वागत किया लेकिन बहुसंख्यक ओबीसी समाज और एसटी समाज को आरक्षण में न शामिल किए जाने को सामाजिक न्याय की मान्यता से नकारना जैसा बताया है... जिसके बाद अब इस बिल को लेकर संसद के बाहर राजनीति शुरू हो गई है दरअसल बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट कर कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यक समाज की महिलाओं की भी अपेक्षा अनुचित है... देश में अगर महिलाओं को आरक्षण देना है, तो विधेयक को तत्काल प्रभाव से लागू करने की भी जरूरत है... बसपा प्रमुख मायावती ने महिला आरक्षण बिल संसद के दोनों सदनों में पारित होने का स्वागत किया... इसके साथ ही ये भी कहा कि महिला आरक्षण बिल संसद के दोनों सदनों से पारित हो जाने का स्वागत, किन्तु देश इसका भरपूर व जोरदार स्वागत करता अगर उनकी अपेक्षाओं के मुताबिक ये अविलंब लागू हो जाता... क्योंकि अब तक लगभग 27 वर्षों की लम्बी प्रतीक्षा के बाद अनिश्चितता का अब आगे और लम्बा इंतजार करना कितना न्याय संगत ? पता नहीं।

मोह दुख का कारण है: श्रीपाल

लखनऊ। इन्दिरानगर जैन मंदिर में चल रहे दशलक्षण पर्व के नवें दिन उत्तम आकिंचन धर्म की पूजा की गई। आकिंचन अर्थात ममत्व परिग्रह का त्याग। परिग्रह के प्रति जब राग भाव छूट जाता है तभी उत्तम आकिंचन धर्म प्रकट होता है। भोपाल से आये ब्रह्मचारी श्रीपाल ने बताया की परिग्रह चौबीस प्रकार का होता है। हमारे जीवन मे सबसे बड़ा दुख का कारण भी परिग्रह ही होता है। एक लंगोटी के चाहत भी चिंता को बढ़ाने वाली होती है। इससे पूर्व जैन मंदिर मे भगवान की अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग अरुण जैन एवं सागर जैन को प्राप्त हुआ। जैन समाज के मंत्री अभिषेक जैन ने बताया की कल भगवान वासुपूज्य स्वामी का मोक्ष कल्याणक बड़ी ही धूम धाम से मनाया जाएगा।

सीट बंटवारे पर कांग्रेस का रुख देखेगी सपा

राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के चुनाव बाद खुलेंगे सपा के पत्ते

लखनऊ (यूएनएस)। यूपी में सीट बंटवारे का ऊंट किस करवट बैठेगा, यह दूसरे कई राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव से तय होगा। इन विधानसभा चुनाव के बाद ही सपा के पत्ते खुलेंगे। समाजवादी पार्टी तय कर लेगी कि यूपी में सीट बंटवारे के वक्त कांग्रेस को क्षमता के हिसाब से सीट देने के बाद आगे कितना त्याग करना है। समाजवादी पार्टी ने साफतौर पर कह दिया है कि वह राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है। उसने मध्य प्रदेश में तो छह प्रत्याशियों के नामों का ऐलान भी कर दिया। माना जा रहा है कि इन राज्यों में अगर कांग्रेस कुछ सीटें सपा के लिए नहीं छोड़ती है तो सपा के उम्मीदवारों से जूझना होगा, लेकिन सपा के रणनीतिकार इसे फ्रेंडली फाइट बता रहे हैं। कुछ सीटों पर सपा छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ने की तैयारी में है। अखिलेश यादव छत्तीसगढ़ में सपा की रैली व कार्यकर्ता सम्मेलन करेंगे। यूपी में सीटों को बंटवारे में अभी वक्त है। सूत्र बताते हैं कि सपा चाहती है कि पहले तय हो जाए कि इंडिया गठबंधन में किन-किन दलों को रहना है। असल में कांग्रेस की बसपा को गठबंधन लाने की बलवती होती इच्छा के चलते ऊहापोह बढ़ रहा है। सीटें तय करने के बाद विधानसभा चुनाव के बाद अगर बसपा की गठबंधन में इंट्री होती है तो सपा के लिए स्थिति असहज हो सकती है। अखिलेश यादव ने मीडिया से कहा था कि वह सीट शेयरिंग में सीटें मांग नहीं रहे बांट रहे हैं इस बयान से कांग्रेस को तो संदेश है ही साथ ही बसपा को भी संदेश है। गठबंधन में चाहे जितने दल आएं यूपी में सपा ही गठबंधन की मुख्य धूरी रहेगी और वही टिकट बांटेगी। सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा है कि इंडिया गठबंधन की बैठक में तय हुआ था जो दल जिस प्रदेश में मजबूत है इंडिया गठबंधन के सहयोगी उस दल को आगे करके चुनाव लड़ेंगी।

पुलिस कर्मियों, समाजसेवियों, डॉक्टरों और पत्रकारों को किया सम्मानित

लखनऊ (यूएनएस)। बैदेही वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा पुलिस लाइन के संगोष्ठी हॉल में स्वर्ण कर्म योगी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समारोह पूरी तरह से ड्यूटी पर सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को समर्पित था।कार्यक्रम में उन 71 पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपनी सूझ बूझ व कार्यशैली से पुलिस प्रशासन का सर ऊंचा किया है। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक की धर्म पत्नी नम्रता पाठक, भाजपा की वरिष्ठ नेत्री अपर्णा यादव बिष्ट,भाजपा अध्यक्ष मुकेश शर्मा, तथा नव निर्वाचित नगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी व निलाँश रूप के चेयरमैन संतोष श्रीवास्तव उपस्थित रहे जबकि अति विशिष्ट अतिथि के रूप में काशान् ए वारिस के संरक्षक, अरशद मुर्तजा वारसी, सचिव मोहम्मद इमरान,व्यापारी तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय त्रिपाठी (मुन्ना भय्या) डॉक्टर सुलतान शाकिर हाशमी, पद्मश्री विद्या बिंदु जी,अजीज सिद्दीकी,समाज सेवी अब्दुल वहीद,इमरान कुरैशी,अजय वर्मा, डॉक्टर आदर्श त्रिपाठी,जुबैर अहमद, आरिफमुकीम, एन.आलम, परम जीत सिंह,परवेज अखतर, शबाब नूर, नौशाद बिलगिरामी, जमील मलिक, हादी उमर, मोनी मिश्रा के अलावा दर्जनों वरिष्ठ समाजसेवी व वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे। पुलिस महकमे से लखनऊ कमिश्नरेट के काबिल ऑफिसर एडीसीपी चिरंजीव नाथ सिन्हा, एसीपी ओरी लाल, राजभवन में तैनात सीनियर ऑफिसर कुलदीप सिंह तथा 1090 में तैनात सीनियर ऑफिसर मोहम्मद साहिल तथा 71 महिला व पुरुष पुलिस कर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विजय कुमार तथा एंजल प्रवीण के बेहतरीन मंच संचालन में डॉक्टर रूबी राज सिन्हा द्वारा सभी अतिथियों को तिलक लगाकर व पुष्प देकर स्वागत किया गया।इसके उपरान्त मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की गई। आयोजन में बैदेही वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉक्टर रूबी राज सिन्हा,महासचिव प्रशांत प्रवीण सिन्हा सहित मुख्य अतिथियों,अति विशिष्ट अतिथियों द्वारा मौजूद सभी 71 पुलिस कर्मियों समेत 121 सभी सम्मानित गणों को माला पहना कर दुशाला ओढ़ा कर तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथियों ने पुलिस कर्मियों के त्याग और कठिन ड्यूटी कार्यशैली पर उनका उत्साह वर्धन करते हुए उनके बारे में अपने अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर समस्त अतिथियों ने पुलिस कर्मियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित करने के लिए बैदही वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉक्टर रूबी राज सिन्हा तथा महासचिव प्रशांत प्रवीण सिन्हा व उनकी पूरी टीम की भूरि भूरि प्रशंसा की। इस मौके पर अजीज सिद्दीकी और अब्दुल वहीद ने कहा कि बैदेही वेलफेयर फाउंडेशन बिना आर्थिक सहयोग लिए समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ाने और उनके उत्साह वर्धन के लिए इस तरह के भव्य कार्यक्रम आयोजित करती रहती हैं।जो आज के समय में बड़ी बात है।कार्यक्रम के अन्त में डॉक्टर रूबी राज सिन्हा ने आए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

नौ साल के शासन में मोदी सरकार ने पूरा नहीं किया एक भी वादा: संजय

लखनऊ (यूएनएस)। पिछले नौ सालों से ज्यादा समय से केंद्र में मोदी सरकार काबिज है लेकिन इतना बड़ा वक्त मिलने के बाद भी मोदी सरकार ने एक भी वायदा पूरा नहीं किया। काला धन तो वापस आया नही बल्कि घरों में मौजूद धन भी बैंकों में ले लिया। इतना ही नहीं किसानों की फसल का दोगुना दाम भी नहीं मिला, उनको उनकी फसल का दाम ही मांगने पर लाठियां मिलती है। आप पार्टी के मुखिया व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गारंटी योजना दिया है क्योंकि हम वायदा नहीं करते, गारंटी देते हैं।आम आदमी पार्टी का कार्यकता सम्मेलन लखनऊ के गांधी भवन प्रेक्षागृह में लखनऊ के जिलाध्यक्ष शेखर दीक्षित द्वारा आयोजित कार्यकता समागम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने यह विचार व्यक्त किये। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि पार्टी के हर विचार को लेकर गांव-गांव, घर-घर जायें। आप के दिल्ली और पंजाब सरकार के कामकाज, स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक, फ्री बिजली के मुद्दे को लेकर जायें। श्री सिंह ने कहा कि हर व्यवसायी अपने उत्पाद का दाम खुद ही तय करता है। उससे यह नहीं पूछा जाता कि उसके उत्पाद का दाम इतना अधिक क्यों है। लेकिन यह दुर्भाग्य है कि कर्ज में दबा हुआ किसान जब अपनी फसल तैयार करता है तो उसका दाम सरकार तय करती है, किसान नहीं। उन्होंने कहा कि अगर आम आदमी पार्टी की सरकार आयी तो हम किसानों को उनकी फसल की दाम उनके मुताबिक और उस पर उनको लाभ भी देंगे।

सरकार ने हर साल दो करोड़ नौजवानों को नौकरी देने का वायदा किया था। 18 करोड़ नौकरी देनी चाहिए थी पर संसद में खुद उनकी सरकार ने ही कहा कि हमने नौ साल में सात लाख नौकरी दी। और वह भी कहा दी पता नहीं। मोदी सरकार पूरे देश की जनता को बेवकूफबना रही है। रसोई गैस, पेट्रोल, खाने का तेल सब कुछ महंगा हो गया। जीवन रक्षक 800 दवाओं के दाम सरकार ने बढ़ा दिये। कैंसर, किडनी और लीवर जैसी गंभीर बीमारियों के दाम भी बढ़ा दिये गये।श्री सिंह ने कहा कि सरकार से कुछ भी मांगों, कुछ भी बात करो। ये हिंदू-मुस्लिम करने लगते हैं। जनता को इस नफरत की राजनीति से कुछ नहीं मिलने वाला। मणिपुर, मेवाड़ सब जगह आग लगी हुई है। उन्होने कहा कि नौकरी मिल नहीं रही है। मिड डे मील में नमक रोटी मिल रही है। बिजली कटौती हो रही है। पेपर लीक हो रहे हैं। लेकिन इन सब के लिए आप खुद जिम्मेदार हैं क्योंकि अगर आप हिंदू-मुस्लिम के नाम पर वोट देंगे तो आगे भी यही होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओ को नसीहत दी कि जब तक आप धर्म के नाम पर वोट देंगे तब ऐसा ही होगा। क्या हिंदू को पेट्रोल और दवाएं सस्ती मिलती है।उन्होंने कहा कि सरकार जनता को पांच किलो राशन देकर रोज गिनाती है और अडानी को ढाई लाख करोड़ रुपये कर्ज दे दिया और पूंजीपतियों का 13 लाख करोड़ रुपये कर्ज माफकर दिया। वहीं अगर किसी किसान पर 50 हजार का भी कर्ज होता है तो उसे घसीट कर हवालात में बंद कर दिया जाता है। संसद के उद्घाटन में राष्ट्रपति मुर्मू को नहीं बुलाया जाता। यह हिंदू मुस्लिम ही नहीं समाज को बांटने का काम करते हैं। लेकिन आम आदमी पार्टी पूरे समाज को एकजुट करना जानती है।संजय सिंह ने कहा कि विपक्ष ने इंडिया गठबंधन बना लिया तो देश का ही नाम बदलने लगे। इंडिया को ही गाली देने लगे। भारत के संविधान में लिखा है इंडिया इज भारत। लखनऊ (यूएनएस)। पिछले नौ सालों से ज्यादा समय से केंद्र में मोदी सरकार काबिज है लेकिन इतना बड़ा वक्त मिलने के बाद भी मोदी सरकार ने एक भी वायदा पूरा नहीं किया। काला धन तो वापस आया नही बल्कि घरों में मौजूद धन भी बैंकों में ले लिया। इतना ही नहीं किसानों की फसल का दोगुना दाम भी नहीं मिला, उनको उनकी फसल का दाम ही मांगने पर लाठियां मिलती है। आप पार्टी के मुखिया व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गारंटी योजना दिया है क्योंकि हम वायदा नहीं करते, गारंटी देते हैं।

दलितों में पैठ बढ़ाने को भाजपा बेताब

लखनऊ (यूएनएस)। खतौली, मैनपुरी व घोसी में दलितों का वोट न मिलने से भाजपा नेतृत्व चिंतित हो उठा है।संघ ने भी गंभीरता से लिया।चिंता है कि तीनों ही जगह बसपा के मैदान में न होने के बाद भी पार्टी को दलितों के अपेक्षित वोट नहीं मिल सके। दलितों में पैठ बढ़ाने को भाजपा ने बस्ती प्लान तैयार किया है। प्रदेश भर में शुरू होने वाला यह बस्ती संपर्क एवं संवाद अभियान घोषित तौर पर तो दो अक्तूबर तक है। पार्टी अब इसे दिसंबर तक लगातार चलाएगी।यूं तो सामाजिक समरसता प्रकल्प के तहत संघ काफी समय से दलितों के बीच काम कर रहा है।मगर संघ नेतृत्व इस मुहिम को और तेज करना चाहता है। भाजपा ने बस्ती संपर्क एवं संवाद अभियान के जरिए दलितों के बीच पहुंचने की योजना तैयार की है। इसकी अगुवाई भाजपा अनुसूचित मोर्चा को सौंपी गई है। अनुसूचित मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र कनौजिया के नेतृत्व में अभियान के लिए मोर्चे की जिला स्तर पर टोलियां बनाई जा रही हैं। महत्व और जरूरत के हिसाब से इन बस्तियों में भेजे जाने के लिए सांसद-विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों की सूची तैयार की जा रही है।अभियान को लेकर बीते दिवस भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने समीक्षा भी की। मोर्चे की टोलियों के साथ पार्टी के सांसद-विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि दलित बस्तियों में जाएंगे। उन लोगों से बातचीत करेंगे। उनके मन में यदि कोई गलतफहमी है तो उसे दूर करेंगे।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा प्रिंट आर्ट आफसेट, 33 कैण्ट रोड, लखनऊ से मुद्रित तथा प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
क्रिएटिव एडिटर
नैमिष सोनी
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।